हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

तापमान
अधिकतम 39.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

11 पानी किल्लत से गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

12 बच्चों ने मदर्स-डे के उपलक्ष्य में दी कार्यक्रमों की प्रस्तुति

खबर संक्षेप

कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया में चोर एक कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में चीताडूंगरा निवासी सतीश कुमार ने बताया कि वह सेक्टर-5 की एक कंपनी में नौकरी करता है। वह बाइक लेकर घर से कंपनी आया था। बाइक गेट के पास लॉक करके खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। जब वह कंपनी से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। सीसीटीवी फुटेज में दो व्यक्ति बाइक चोरी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

मारपीट के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। आजाद नगर में 5 मई को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महेंद्रगढ़ के कुरावटा निवासी अनूप यादव ने बताया था कि वह एक मकान में बैठा हुआ था मकान मालिक रेखा के साथ बैठा हुआ था। उसने आरोप लगाया था कि मकान बनाने वाला ठेकेदार खरखड़ा निवासी अरुण अपने साथियों के साथ वहां आया और पैसे के लेनदेन को लेकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद अरुण, मोहित व तेजपाल को गिरफ्तार कर लिया।

टाटा की टक्कर लगने से थार चालक घायल

बावल। चांदूवास के पास टाटा-407 गाड़ी की टक्कर से थार गाड़ी चालक घायल हो गया। मोहनपुर निवासी मनोज कुमार अपने गांव से रेवाड़ी जा रहा था। जब वह चांदूवास के पास पहुंचा, तो जयसिंहपुर खेड़ा की ओर से आ रही टाटा-407 गाड़ी ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इससे थार गाड़ी हाइवे के नाले में जाकर फंस गई। मनोज के चचेरे भाई ने उसे अस्पताल में पहुंचाया।

मारपीट मामले में दो महिलाएं गिरफ्तार

रेवाड़ी। मोहल्ला तेजपुरा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की ओर से 6 मई को दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि मोहल्ला निवासी अंजुबाला व नीरू ने दंपति के साथ उस समय मारपीट करना शुरू कर दिया, जब उन्होंने उनके बिजली मीटर पर सीढ़ी खड़ी करने पर ऐतराज जताया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उन्हें बेल पर रिहा कर दिया गया।

चाय की दुकान के पास खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। तहसील परिसर के पास एक चाय की दुकान पर खड़ी बाइक चोरी हो गई। मॉडल टाउन थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में विजय नगर में रह रहे उत्तम नगर निवासी सोनू ने बताया कि वह अपने भतीजे विक्रम की बाइक लेकर तहसील के पास आया था। बाइक वहां एक चाय की दुकान के पास खड़ी करने के बाद वह गुरूग्राम चला गया। वहां से वापस आने पर उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला तो पुलिस में शिकायत दी।

सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। झज्जर फ्लाईओवर के पास सट्टा खाईवाली करने के एक आरोपी को सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गोविंदपुरा निवासी अमरजीत फ्लाईओवर के पास सट्टा खिला रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। जैसे ही उसने बोगस ग्राहक से सट्टा लगाने के लिए 50 रुपये लिए तो उसे मौके पर ही काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 2050 रुपये राशि व सट्टा पर्चियां बरामद की हैं।

अवैध हथियार रखने वालों पर शिकंजा देशी कट्टों के साथ तीन को काबू किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सीआईए ने अवैध हथियार रखने वाले लोगों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सीआईए ने विभिन्न स्थानों पर रेड करते हुए तीन आरोपियों को देशी कट्टों के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए को सूचना मिली थी कि धारूहेड़ा की एक सोसायटी के पास एक युवक अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर सोसायटी के पास खड़े युवक ने भागने का प्रयास किया। सीआईए ने पीछा करते हुए काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी ने अपना नाम महेश्वरी निवासी सौरभ कौशिक बताया। सीआईए ने उसे मौके पर ही काबू करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

चालक को पिस्टल के साथ किया गिरफ्तार

सीआईए को सूचना मिली थी कि राजस्थान के बिघाना जाट निवासी बिजेंद्र गाड़ी चालक के रूप में नौकरी करता है। वह जलियावास के पास देशी कट्टे के साथ मौजूद है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंची, तो बिजेंद्र टीम के हत्थे चढ़ गया। पुलिस को देखकर उसने भागने का प्रयास किया, परंतु उसे पीछा करते हुए काबू कर लिया गया। सीआईए ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देशी कट्टा बरामद किया।

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी राकेश व सौरभ कौशिक व आरोपी बिजेन्द्र।
फोटो : हरिभूमि

पिस्टल के साथ महेश्वरी से एक काबू

सीआईए को सूचना मिली थी कि राजस्थान के आलुपुर निवासी राकेश आपराधिक किस्म का लड़का है। वह इस समय महेश्वरी गांव के गेट के पास अवैध हथियार के साथ खड़ा है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गई। सीआईए ने मौके पर जाकर राकेश को काबू कर लिया। उसकी पेंट की जेब से देशी कट्टा बरामद हुआ। सीआईए ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाने में केस दर्ज करा दिया।

अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए प्रभारी इंस्पेक्टर सुमेर सिंह की टीम ने शनिवार को अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला भजन का बाग निवासी रोहित उर्फ कालिया के रूप में हुई है। सीआईए को सूचना मिली थी कि रोहित उर्फ कालिया निवासी मोहल्ला भजन का बाग अपराधी किस्म का व्यक्ति है तथा अवैध हथियार लेकर अपने घर के बाहर खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी के मकान की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी पिस्टल व 3 जिंदा रोंद बरामद किए गए।

ड्रोन उड़ाने व आतिशबाजी पर 7 जुलाई तक प्रतिबंध

- भारत-पाक तनाव को लेकर डीसी ने जारी किए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिलाधीश अभिषेक मीणा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक तनाव को लेकर तथा आम जनता की सुरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिले में आगामी 7 जुलाई तक ड्रोन और अन्य उड़ान वाली वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

यह आदेश जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा कारणों के तहत जारी किए हैं। जिलाधीश अभिषेक मीणा ने कहा कि मौजूदा हालात को लेकर शादी, खुशी के मौके तथा धार्मिक उत्सवों के दौरान आतिशबाजी की जाती हैं, ऐसे में पटाखों से होने वाले शोर से आम जनता में दहशत फैलती है, जिससे वास्तविक बम, ड्रोन तथा मिसाइल हमले का भय पैदा होता है तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के अधिकार क्षेत्र में विवाह, धार्मिक उत्सव, समारोह और किसी भी प्रकार की गतिविधियों के दौरान आम जनता की ओर से ड्रोन, माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, ग्लाइडर-पावर ग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, पतंगबाजी और चीनी माइक्रो लाइट के उपयोग और किसी भी प्रकार की आतिशबाजी करने पर आगामी 7 जुलाई तक प्रतिबंध लगाया है।

जिम संचालक से मारपीट के आरोपी काबू

डहीना। भठेड़ा के पास जिम संचालक से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस बयान में 7 मई को देहलावास निवासी गौरव ने बताया था कि वह मूंदी बस स्टैंड पर जिम चलाता है। जब वह जिम से अपने दोस्त दीपक के साथ बाइक पर घर जा रहा था, तो भठेड़ा के पास सोहिल उर्फ बांगड़, गौरव, आशीष, मोहित व विकास आदि ने उस पर हमला कर दिया। उसके साथ जमकर मारपीट की गई। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने विकास व सोहिल को गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी सर्टिफिकेट पर नैचाना के पंच को किया पदमुक्त

- डीसी ने छह साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

पंचायत चुनावों में नामांकन के दौरान दसवीं की फर्जी सर्टिफिकेट पेश करने के मामले में डीसी ने नैचाना के पंच को दोषी करार देते हुए पदमुक्त किया है।

डीसी की ओर से बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद पंच की ओर से अपना पक्ष नहीं रखा गया, जिस कारण डीसी ने उसके खिलाफ फैसला सुना दिया। पूर्व पंच को 6 साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य भी घोषित किया गया है। वर्ष 2022 में हुए पंचायत चुनावों वार्ड नं. 9 से राहुल को पंच निर्वाचित घोषित किया गया था। एक ग्रामीण ने चुनाव आयोग को शिकायत दी कि राहुल ने नामांकन के समय दसवीं की जो सर्टिफिकेट प्रस्तुत की, वह फर्जी है। शिकायत पर बावल बीडीपीओ की ओर से जांच कराई गई थी। बीडीपीओ ने अपनी रिपोर्ट में राहुल की ओर से पेश सर्टिफिकेट को फर्जी करार दिया था। सूचना के बावजूद तय तारीख के दिन पंच राहुल डीसी के समक्ष पेश नहीं हुआ। इसके बाद डीसी ने उसे पदमुक्त करते हुए 6 साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

समस्याओं के समाधान के लिए होगा आरएमए का गठन

शनिवार को ट्रामा सेंटर से झज्जर रेलवे फाटक तक चलाया सफाई अभियान

- लोगों को सफाई के प्रति जागरूक भी किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में मेगा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान शनिवार को ट्रामा सेंटर चौक से झज्जर रेलवे फाटक तक साफ-सफाई की गई।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में स्वच्छता की शपथ लेते शहरवासी।

स्थानीय लोगों ने विधायक के साथ हाथों में झाडू उठाकर सड़कों पर सफाई की। अभियान के दौरान विधायक ने दो खाली प्लाटों में बने अनावश्यक डंपिंग प्वाइंट को खत्म करने के निर्देश दिए। इस मौके पर विद्यार्थियों ने जागरुकता रैली निकालकर सभी को सफाई के लिए प्रेरित किया। समापन कार्यक्रम में नगर पार्षद सुरेश शर्मा व समाजसेवी महेंद्र रुपेला की अगुवाई में विधायक लक्ष्मण यादव का सम्मान किया गया। इस मौके पर सफाई योद्धाओं को भी सम्मानित किया गया व सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। विधायक ने झज्जर ओवरब्रिज के नीचे बने पार्क में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि सभी के सहयोग से स्वच्छता अभियान का 29वां संस्करण चलाया गया। उन्होंने कहा कि इंदौर की तर्ज पर आरएमए यानि रेवाड़ी मैनेजमेंट एसोसिएशन का गठन किया जाएगा, जिसके तहत शहर के विभिन्न संगठनों को जोड़कर शहर से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा। विधायक ने बताया कि आगामी 18 मई को पूरे सरकुलर रोड़ पर मेगा सफाई अभियान चलाया जाएगा, जिसमें दो टीमें बनाकर अलग-अलग दिशाओं में चलकर पूरे सरकुलर रोड़ को साफ करेंगी, वहीं मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को सफाई के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

मोबाइल विक्रेता का बैग छीनने का प्रयास, लोगों ने एक युवक को पकड़ा

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र के मुख्य बाजार में आरओबी के नीचे शुक्रवार रात दो-तीन युवकों ने एक मोबाइल विक्रेता से उसका बैग छीन कर भागने का प्रयास किया, जिसमें से एक युवक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया व अन्य युवक बैग छोड़कर फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने पकड़े गए युवक को पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने मोबाइल विक्रेता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। दुकानदार आलोक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने आरओबी के सर्विस रोड़ पर राधा काम्यूनिकेशन के नाम से मोबाइल की दुकान कर रखी है। शाम करीब 8.20 वह अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे कि अग्रवाल स्वीट्स के सामने दो-तीन लड़कों ने उनसे मोबाइल फोन व नकदी के बैग को छीनने कोशिश की। शोर मचाने पर राजेन्द्र व ओम शिव व कुछ अन्य लोग मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने एक युवक को पकड़ लिया।

ड्राइवरों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

एनसीबी जिला यूनिट ने चलाया जागरुकता अभियान

- करनावास स्थित तेल डिपो में ड्राइवरों को जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से प्रदेश भर में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। शनिवार को एनसीबी जिला यूनिटकी ओर से बावल रोड स्थित गांव करनावास स्थित तेल डिपो में ड्राइवरों व अन्य लोगों को नशा न करने के लिए जागरूक किया गया।

यूनिट के इंचार्ज एसआई बलवंत सिंह ने कहा कि एक जागरूक समाज ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। नशा एक सामाजिक कुरीति है और युवा पीढ़ी नशे के प्रति समाज की सबसे संवेदनशील कड़ी है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए हरियाणा सरकार के आदेश पर नारकोटिक्स विभाग की ओर से अभियान चलाए जा रहे है। अभियान के दौरान आमजन को हरियाणा एनसीबी की अनूठी पहल नशा मुक्त जीवन नायाब जीवन-बेकैट चलेंज के बारे में भी बताया गया। एसआई ने कहा कि जिस तरह हम अपने घर से गंदा पानी बाहर फेंकते है, उसी तरह हमे नशे को अपने समाज से बाहर फेंकना है। अगर कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दें तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, और हरियाणा एनसीबी के टोल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें।

- गंदे पानी की तरह नशे को बाहर फेंकना है
- नशा बिकता दिखाई दे तो इसकी सूचना दें

जरूरी वस्तुओं की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध

अवैध भंडारण, कालाबाजारी की सूचना देने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिलाधीश अभिषेक मीणा ने आपातकालीन स्थिति को देखते हुए जिले में चावल, गेहूं, दालें, चीनी, खाद्य तेल, सब्जियां, दूध उत्पाद, दवाएं, पेट्रोल और डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं, खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया है।

जिलाधीश ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं और खाद्य पदार्थों की जमाखोरी और भंडारण को प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश पारित किए गए हैं। अभिषेक मीणा ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक और सभी अधिकारियों को सख्त निगरानी रखने और बाजार में आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

जिलाधीश ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त आदेशों के उल्लंघन का दोषी पाया जाता है, तो वह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंड का भागी होगा। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि बाजारों, गोदामों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जाए और सभी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, मूल्य और भंडारण की जानकारी एकत्र की जाए।

जागृति मंच ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए स्कूल बैग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर की सामाजिक संस्था जनशक्ति जागृति मंच ट्रस्ट की ओर से शनिवार को कालीमाता रोड स्थित कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्था की ओर से जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग व शिक्षण सामग्री वितरित की गई।

ट्रस्ट की राष्टीय अध्यक्ष मेनका सोनी ने कहा कि संस्था पिछले दो वर्षो से सामाजिक कार्य कर रही है, जिसमें रक्तदान कैंप, जरूरतमंदों की सहायता सहित अनेक कार्य कर रही है। मेनका ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते आगामी दिनों में संस्था की ओर से करीब एक दर्जन

रेवाड़ी। बच्चों को स्कूल बैग वितरित करते हुए मेनका सोनी।

सार्वजनिक स्थानों व पार्कों में पेड़ों पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे तथा दाने का भी प्रबंध किया जाएगा। कार्यक्रम में ममता राजपूत, दीपक कुमार, प्रेम कुमार, देवानंद, राजेश अग्रवाल, मंजू शर्मा, ललिता यादव, रविन्द्र मेहरा, अजीत कुमार, राधेश्याम, प्रकाश, कुसुम, जयवीर प्रधान व परमेश्वरी आदि मौजूद थे।

साढ़े तीन डिग्री तक चढ़ा पारा, बूंदाबांदी के बाद बढ़ी उमस

कल से मौसम साफ होने की संभावना, सताएगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण एक बार फिर आसमान में बादल छाने के बाद तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई, जिससे वातावरण में उमस बन गई। दोपहर से लेकर शाम तक लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा।

अगले सप्ताह के शुरू में मौसम साफ होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे आने वाले सप्ताह में गर्मी एक बार फिर प्रचंड रूप धारण कर सकती है। मई माह के शुरू से ही मौसम में बार-बार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कई विक्षोभ सक्रिय होने से कभी आसमान में बादल छाते हैं, तो कभी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होती है। तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। शनिवार को आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 39.0 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस गिरकर 21.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इस बार मई माह में तापमान 40 डिग्री से नीचे चल रहा है, जिस कारण लू का प्रकोप शुरू नहीं हुआ है। लू नहीं चलने के कारण मौसमी बदलाव के प्रभाव भी आने वाले समय में देखने को मिल सकते हैं। मौसमी बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी हुई है। शनिवार को दोपहर के समय कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर पसीना छुड़ाया। उमस का असर इतना रहा कि कूलरों की हवा तक ने काम करना बंद कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार 12 मई से मौसम में बदलाव आ सकता है।

रेवाड़ी। शनिवार को बूंदाबांदी के बाद छाए बादल।

मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगा

मई माह में लू चलने के बाद मच्छरों का प्रकोप खत्म हो जाता है। लू के कारण मच्छर मर जाते हैं। इस बार मौसम ठंडा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। तापमान गिरने के बाद रात के समय मच्छर लोगों की नींद हराम कर रहे हैं। इससे मलेरियां और डेंगू जैसे रोग फैलने की आशंका भी बनने लगी है। उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की खपत में एक बार फिर 5 लाख यूनिट तक की वृद्धि हुई है, जिससे पावर कट लगने शुरू हो गए हैं। आने वाले दिनों में बिजली की खपत और बढ़ने के आसार हैं।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर

लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ

अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी

अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प

अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध

अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स

■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें

लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें

ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा

ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत

फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि

पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक

अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए

हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस

अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)

अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट

घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती

यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट

यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा

यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश

डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश

इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें

- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं

1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

खबर संक्षेप

मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोसली। सीआईए कोसली ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव देहलावास गुलाबपुरा निवासी इन्द्रजीत उर्फ भूरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.13 ग्राम स्मैक बरामद की है। गत 9 मई को पुलिस को सूचना मिली कि गांव देहलावास गुलाबपुरा निवासी इन्द्रजीत उर्फ भूरिया नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का धंधा करता है तथा खेतों में बने अपने घर के बाहर स्मैक बेच रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना रामपुरा में नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कंपनी के ऑफिस से लैपटॉप ले गए चोर

रेवाड़ी। टीपी स्कीम से चोर एक कंपनी के ऑफिस का ताला तोड़कर लैपटॉप चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कंपनी प्रबंधक भूपेंद्र कुमार ने बताया कि कंपनी ने अपना एक कार्यालय हाल ही में टीपी स्कीम में किराए के कमरे में बनाया हे। रात समय चोर कार्यालय का ताला तोड़कर एक लैपटॉप चोरी कर ले गए। लैपटॉप ऑफिस की अलमारी में रखा हुआ था। काफी पूछताछ करने के बाद भी चोरों के बारे में कोई पता नहीं चल सका। सिटी पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

महिलाओं को स्वच्छता का बताया महत्व

रेवाड़ी। कर्मसेतु फाउंडेशन की ओर से शनिवार को मातृ दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्लम बस्तियों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए। संस्था के संयोजक प्रिया ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता का महत्व बताया गया। महिलाओं और किशोरियों ने भाग लिया। सुमित्रा देवी ने कहा कि मातृ दिवस का यह अभियान उन सभी माताओं और बेटियों को समर्पित है, जो बेहतर स्वास्थ्य की हकदार हैं। इस मौके पर रजनी, आशा, राधा, ओम प्रकाश व जतिन मौजूद थे।

बलाहा खुर्द के श्मशाम घाट का दरवाजा चोरी

नारनौल। गांव बलाहा खुर्द के श्मशान घाट के दरवाजे को किसी ने चोरी कर लिया। जब सरपंच ने छानबीन की तो वहां रहने वाले एक नामजद की झुग्गी के पीछे यह मिला। गांव बलाहा खुर्द की सरपंच आशा ने गहली पुलिस चौकी में शिकायत दी है। सरपंच ने बताया है कि आठ मई को पंच पुनित के द्वारा सूचना प्राप्त हुई, गांव के श्मशान घाट के गेट का एक लोहे का दरवाजा, पंच के घर के नजदीक करीब छह फीट नाली की जारी चोरी हुई है। यहचोरी दिन के समय ही हुई है। जब छानबीन की गई तो पता चला कि लोहा गेट राकेश लुहान के झुग्गी के पीछे रखा है। वहां जाकर देखा तो गेट झुग्गी के पीछे था। शक है कि लोहे का गेट व जाली इसी व्यक्ति ने चोरी की है।

15 मई को प्रस्तुत होगा आय-व्यय का ब्यौरा

नारनौल। सैनी सभा का वित्तीय वर्ष 2024-25 का आय-व्यय प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में सभा के महासचिव निहाल सिंह सैनी ने बताया कि एक आम बैठक 15 मई की शाम चार बजे सैनी धर्मशाला के सभागार में होगी।

नरसिंह भगवान मंदिर परिसर भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली की चौपाल के समीप नृसिंह भगवान मंदिर परिसर में 11 मई को भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए सरपंच सीताराम यादव ने बताया कि नरसिंह भगवान के मंदिर के प्रति लोगों की काफी आस्था जुड़ी हुई है। हर वर्ष की भांति इस बार भी भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जबकि पूर्व संध्या पर बलराम बैंसला एंड पार्टी भगवान की महिमा का गुणगान करेगी।

जमाखोरी करने वालों पर प्रशासन की नजर

युद्ध के साथ महंगाई की आहट, सरसों के दामों में उछाल, जमाखोरी की आशंका बढ़ी

नरेन्द्र वत्स ▸▸ रेवाड़ी

रेवाड़ी। बाजार में एक दुकान पर रखी हुई दाल। फोटो : हरिभूमि

■ सरसों के तेल से लेकर दालों तक के भाव बढ़े

पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और पूर्ण युद्ध की आशंका का असर मार्केट पर भी पड़ना शुरू हो गया है। जमाखोर एक्टिव होने लगे हैं। प्रशासन की ओर से जमाखारों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके बावजूद मुनाफा कमाने की फिराक में रहने वाले लोग खाद्य वस्तुओं का भंडारण करने लगे हैं।

सबसे ज्यादा असर खाद्य तेल तैयार करने वाली सरसों पर पड़ा है। दो दिनों में सरसों के दाम 200 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ गए हैं, जिससे सरसों का तेल भी महंगा होना शुरू हो गया है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए डीसी अभिषेक गर्ग की ओर से चेतावनी दी जा चुकी है कि युद्ध की आशंका को देखते हुए जमाखोरी करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। इसके लिए खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी करने वाले लोगों पर प्रशासन की पैनी नजर लगी हुई है। हालांकि अभी तक पाकिस्तान के साथ पूर्ण युद्ध की घोषणा नहीं हुई, परंतु हालात युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। आयात-निर्यात प्रभावित होना शुरू हो गया है। अन्य खाद्य वस्तुओं पर इसका अभी तक कोई असर नहीं हुआ है, परंतु सरसों के दाम उछाल लेने लगे हैं। बीते दो दिनों के दौरान सरसों 6250 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। सरसों का सरकारी समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल होने के कारण अभी तक इसके मार्केट रेट 6 हजार रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा नहीं थे। आयात-निर्यात प्रभावित होने के कारण सरसों के दाम बढ़ने शुरू हो गए हैं। आढ़तियों का मानना है कि अगर पाकिस्तान के साथ सीधी जंग शुरू होती है, तो इससे सरसों के दाम और बढ़ सकते हैं। सरसों का तेल प्रमुख खाद्य तेल के रूप में इस्तेमाल होता है। सरसों के दाम बढ़ने का असर सरसों के तेल पर भी पड़ना शुरू हो गया है। सरसों का तेल दो दिनों में 10 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया है। सूत्रों के अनुसार जमाखोर सरसों के तेल का स्टॉक कर सकते हैं, जिससे इसके दामों में आने वाले समय में और वृद्धि हो सकती है। ऐसे में जमाखोरों पर शिकंजा कसना जरूरी हो गया है। बाजार में दालों के दाम भी बढ़ने शुरू हो गए हैं। अरहर और मूंग की दालों में 10 रुपये प्रति किलोग्राम तक वृद्धि हो गई है। अरहर की दाल 140 रुपये, तो मूंग दाल 120 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। जानकार सूत्रों के अनुसार मुनाफाखोर लोग 'आपदा में अवसर' का लाभ उठाने के लिए दालों का भी स्टॉक करने लगे हैं, ताकि महंगे दामों पर बेचकर पैसा कमाया जा सके।

मसाले बिगाड़ेंगे जायका

तनाव के चलते भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह का व्यापार रोकने की घोषणा पहले ही कर दी थी। पाकिस्तान से मसालों का आयात बड़े पैमाने पर होता रहा है। इनमें मिर्च, हल्दी, धनिया व अन्य मसाले शामिल हैं। आयात बंद होने के बाद मसालों की कीमतों में भी वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अभी तक मसालों की कीमतों में कोई वृद्धि देखने को नहीं मिली है।

पर्याप्त स्टॉक : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि प्रशासन की जमाखोरों पर नजर जिले में खाद्य वस्तुओं का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। देशहित में कारोबारियों को युद्ध जैसे हालात में जमाखोरी से बचना चाहिए। प्रशासन जमाखोरी करने वाले लोगों पर पैनी नजरें रखे हुए हैं। अगर कोई खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी करता है, तो उसके खिलाफ प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पानी की किल्लत से गुस्साए ग्रामीणों ने पटौदी-कोसली पर लगाया जाम

पांच दिन में केवल एक बार पानी की सप्लाई होती है और वह भी बेहद कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोसली

कोसली के अहमदपुर गांव में लोगों को लंबे समय से पानी की किल्लत से परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी की किल्लत से गुस्साएं ग्रामीणों ने शनिवार को पटौदी-कोसली मार्ग पर अहमदपुर गांव के पास अवरोधक लगाकर मार्ग को जाम लगा दिया।

ग्रामीणों ने कहा कि पिछले 5-6 वर्षों से गांव में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। पांच दिन में केवल एक बार पानी की सप्लाई होती है और वह भी बेहद कम समय के लिए दी जाती है। इसके अतिरिक्त पेयजल आपूर्ति में दूषित पानी आ रहा है, जिससे लोग बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार जनस्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। गर्मियों में स्थिति और भी विकट हो जाती है। जाम की सूचना के बाद कोसली के एसएचओ कश्मीर सिंह व समाजसेवी सुखबीर यादव मौके पर पहुंचे तथा शीघ्र ही उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

रेवाड़ी। पटौदी-कोसली मार्ग पर जाम लगाते अहमदपुर के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

समर्पण भावना से कार्य कर रहे पार्टी के करोड़ों निष्ठावान कार्यकर्ता : डा. पोपली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कुंड

■ खोरी मंडल भाजपा की बैठक आयोजित

शनिवार को गांव टींट के बीएमआर मावेन परिसर में खोरी मंडल भाजपा की बैठक मंडल अध्यक्ष सरपंच नरेश यादव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, मंडल प्रभारी वीरेंद्र छिल्लर, पूर्व जिला पार्षद नीतू चौधरी, मंडल अध्यक्ष खोल सुभाष यादव, उप चेयरमैन पंकज यादव रोंज, पंडित हिमांशु पालीवाल, एडवोकेट प्रवीन शर्मा और मीडिया प्रभारी एडवोकेट नितेश अग्रवाल मौजूद थे।

मंडल अध्यक्ष सरपंच नरेश यादव, महामंत्री प्रदीप ठेकेदार व समाजसेवी दिनेश यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। मंडल महामंत्री अरुण तंवर धारण व जीवनराम गर्ग ने मंच संचालन किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डा. पोपली ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं का पूरा मान-सम्मान करती है। पार्टी के करोड़ों निष्ठावान कार्यकर्ता समर्पण भावना से कार्य करते है। इस मौके पर विधायक डा. कृष्ण कुमार, चेयरमैन दयानंद, डा. अरविंद यादव, सरपंच चेतन अहरोद, सरपंच हेमंत यादव, प्रकाश पंच पीथड़ावास, जयभगवान हरजीपुर, आनंद सिंह राठौड़, सुभाष सरपंच, मनोज यादव मैलावास, धर्मवीर बासदुदा, नीरज भारद्वाज खोरी व सतबीर खोरी सहित अनेक कार्यकर्ता व पंच-सरपंच मौजूद थे।

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित जिलाध्यक्ष व भाजपा कार्यकर्ता।

बैगलेस स्कूल में कार्यक्रम

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मदर्स-डे पर माताओं के लिए किया डांस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोसली

कोसली स्थित बैगलेस स्कूल में शनिवार को मदर्स-डे धूमधाम से मनाया गया। मुख्यातिथि सुनीता यादव तथा सीमा कुमारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी माताओं के लिए मनमोहक गीतों पर डांस किया।

बच्चों की माताओं के लिए गीत, नृत्य और भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई व कई मनोरंजक खेल भी रखे गए। विजेता माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सीमा कुमारी ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नही होती, क्योंकि मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता हैं। माताओं को भी अपने बच्चों की इच्छाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्कूल प्राचार्या ज्योति ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। स्कूल प्रबंधन की ओर से सभी शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व शिक्षिकाएं। फोटो : हरिभूमि

मेडिकल कॉलेज के नाम को लेकर धरना जारी

नारनौल। मेडिकल कॉलेज कोरियावास का नाम राजा राव तुलाराम के नाम से रखे जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन शनिवार को भी जारी रहो। ग्रामीण मेडिकल कॉलेज के गेट पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

धरने में सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार को मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए मुफ्त में जमीन हमने दी तो कॉलेज का नाम भी हमारी मांग के अनुसार ही रखा जाना चाहिए था। पिछले तीन सालों से नामकरण की मांग की जा रही है। हमने मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से रखने की मांग की थी।

दुलोठ जाट की पूर्व सरपंच को डीसी ने जारी किए 1164098 राशि की रिकवरी के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

■ 2016 से 2021 में हुए विकास कार्यों में अनियमितता को लेकर उपायुक्त की कार्रवाई

गांव दुलोठ जाट की पूर्व सरपंच अंजू बाला पर उसके कार्यकाल में 2016 से 2021 में हुए विकास कार्यों में अनियमितता को लेकर उपायुक्त ने 11,64,098 राशि की के रिकवरी के आदेश जारी किए हैं।

इसकी शिकायत गांव के महेश कुमार ने पहले आरटीआई के माध्यम से सरपंच के कार्यकाल का पूरा रिकॉर्ड लेने के बाद जांच के लिए मुख्यमंत्री समेत उपायुक्त को हाजिर होकर प्रेषित किए थे। उपायुक्त की ओर से जारी आदेश पर उपमंडल अधिकारी नारनौल द्वारा 11 सितंबर 2024 को हरियाणा पंचायती राज एक्ट 1994 की धारा 53(2) में दिए गए आदेशों में जांच में निकाली गई राशि 11,64,098 की वसूली बारे नोटिस जारी किया गया था, जिसके विरुद्ध पूर्व सरपंच ने हरियाणा पंचायती राज एक्ट 1994 की धारा 53 (3) के अन्तर्गत अपील दायर की थी। सहायक जिला न्यायवादी रफीक खान ने बताया कि जिस पर उपायुक्त ने अपील को 22 अप्रैल को खारिज कर उपमंडल अधिकारी को पूर्व सरपंच द्वारा अनियमितताओं को लेकर 11,64,098 राशि की रिकवरी के आदेश जारी कर दिए।

गांव के महेश कुमार ने आरोप लगाया था कि गांव की पूर्व सरपंच अंजू बाला ने अपने 2016 से 2021 के कार्यकाल में अनेक सामान व दूसरे विकास कार्यों की राशि निकलवाती रही।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत

प्रदेश सरकार रोड नेटवर्क को कर रही मजबूत : आरती सिंह राव

अटेली विधानसभा को मिली 27 करोड़ रुपये की सौगात, रोड नेटवर्क होंगे और मजबूत

■ इससे न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा

■ यह अटेली क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

हरियाणा सरकार की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से अटेली विधानसभा क्षेत्र को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 2712.2 लाख (27.12 करोड़) की लागत से 27 सड़कों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह अटेली क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे क्षेत्रीय विकास, आवागमन की सुगमता और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। अटेली हलके के लिए लगभग 27 करोड़ रुपए सड़कों के मजबूत और मरम्मत करने के लिए जारी किए गए हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता में सुधार करने से न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि अटेली हलके में सड़क विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी।

इससे न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

यह सड़क होगी चकाचक, अब आमजन का सफर होगा और आसान

नारनौल-रेवाड़ी सड़क से खेड़ी तक 362.38 लाख, महासर गांव में सड़क (स्कूल मंदिर से लिंक) रोड़ 7.32 लाख, कनीना महेंद्रगढ़ से बाघोत सड़क 668.71 लाख, चिड़िया कनीना से गांव बाघोत तक लिंक शिव मंदिर रोड़ 52.4 लाख, कनीना अटेली से रामबास सड़क 156.49 लाख, एफएसके मुंडायन के लिए सड़क 43.52 लाख, चिड़िया कनीना रोड से बास जाने वाला मार्ग 47.41 लाख, बवाना से भोजावास वाया सुंदरह सड़क 362.07 लाख, खरखड़ावास से स्कूल सड़क 38.77 लाख, करीरा गांव में (शमशान घाट से लिंक) सड़क 106.85 लाख, जेएनएस मुख्य सड़क से करीरा के लिए (जवाहर नवोदय स्कूल से लिंक) सड़क 112.38 लाख, स्याणा से दुधवा सीमा तक सड़क 79.91 लाख, खेड़ी से बाघोत रोड 107.07 लाख, सीहोर से बाघोत रोड 159.03 लाख, स्याना से दातौली सीमा तक 64.94 लाख, बोचड़िया से महासर रोड 12.75 लाख, अटेली कनीना से कारिया जाने वाला मार्ग 4.4 लाख, एफएसके ढाणी अटाली का रास्ता 61.82 लाख, करीरा से हरिजन चौपाल स्कूल के साथ लिंक रोड 16.23 लाख, एफएसके रोड से कोका 33.96 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से उनिंदा 8.6 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से धनौंदा तक 7.42 लाख, एमकेएलएन रोड से गुढ़ा 54.38 लाख, रसूलपुर से रसूलपुर की ढाणी रोड (बचिन) 23.5 लाख, गणियार से विजय नगर राजस्थान सीमा तक 12.27 लाख, खरकड़ा बास से खरकड़ा 13.81 लाख व गुढ़ा से गुढ़ा की ढाणी (नांगल हरनाथ) तक 23.8 लाख रुपये की लागत से सड़कों की मरमत की जाएगी।

कनीना में आज भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनेगा

■ खेलकूद मंत्री गौरव गौतम होंगे मुख्यातिथि

कनीना। श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा कनीना की ओर से 11 मई रविवार को गाहडा रोड स्थित समारोह स्थल में भगवान परशुराम जन्मोत्व मनाया जाएगा। इस समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा करेगें, जबकि मुख्यातिथि खेल एवं युवा सशक्तिकरण मंत्री गौरव गोतम होंगें।

अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में गुरूग्राम के विधायक मुकेश शर्मा व जितेंद्र भारद्वाज गुरूग्राम उपस्थित होंगें। सभा के प्रधान डा. रविंद्र कौशिक ने बताया कि समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह में महंत लक्ष्मणगिरी गौशाला बूचावास के संचालक महाराज विट्ठलगिरी सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में गौड़ सभा नारनौल के प्रधान राकेश महता, प्रख्यात कवि डा. मोहनमनीषी, अश्वनी शर्मा, विनित शर्मा, डॉ मनीष शर्मा, अमित मिश्रा, मोहन शर्मा उपस्थित रहेगें। समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

खबर संक्षेप

मकान का ताला तोड़कर नकदी व सामान चोरी

धारूहेड़ा। श्याम वाटिका के पास चोर एक मकान का ताला तोड़कर नकदी व सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस को दर्ज शिकायत में सतीश यादव ने बताया कि वह घर से बाहर गया हुआ था। उसके परिवार के सदस्य किसी कार्यक्रम में घर को लॉक लगाकर चले गए थे। जब उसके परिवार के सदस्य घर आए, तो मकान का ताला टूटा हुआ था। मकान के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी खुली पड़ी थी, जिसमें रखे 70 हजार रुपये गायब थे। चोरों ने दो गुल्लक भी तोड़ दी, परंतु उनमें पैसे नहीं थे। इतना ही नहीं, चोर एक बर्तन में रखा 2 किलोग्राम देशी घी भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

ट्रेन से महिला का हैंडबैग लेकर फरार

रेवाड़ी। ट्रेनों में रेल यात्रियों का सामान चोरी होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जीआरपी और आरपीएफ इन पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही हैं। दिल्ली से सराय रोहिला जा रही एक महिला का नकदी और जेवरात का हैंडबैग स्टेशन के पास चोरी हो गया। जीआरपी सराय रोहिला को दर्ज शिकायत में जोधपुर निवासी प्रभाकर ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ सुपरफास्ट से जोधपुर से दिल्ली जा रहा था। रेवाड़ी स्टेशन के पास उसकी पत्नी का हैंड चोरी हो गया। बैग में सोने का मंगलसूत्र, तीन अंगूठी, कान की बालियां और 30 हजार रुपये थे। जीआरपी सराय रोहिला ने जीरो एफआईआर दर्ज करने के बाद रेवाड़ी जीआरपी को भेज दिया। जीआरपी ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। ट्रेनों में चोरी की घटनाएं नियमित अंतराल के बाद हो रही हैं। एक सप्ताह में जीआरपी ने चोरी के सात केस दर्ज किए हैं। पुलिस चोर गिरोह को काबू करने में नाकाम साबित हो रही है।

अमानत में खयानत का आरोपी 9 साल बाद काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने कंपनी की ट्रालियां खुर्द-बुर्द करने के 9 साल पुराने मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पुलिस इस मामले में पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मार्च 2016 में धारूहेड़ा थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में एक कंपनी के प्रतिनिधि कौशल सिन्हा ने बताया था कि उसकी कंपनी एक अन्य कंपनी से माल लेकर मारूति के गुरूग्राम प्लांट में पहुंचाती है। कंपनी की गाड़ी पर महेंद्रगढ़ के कपूरी निवासी वेदपाल चालक था। वह मारूति के गुरूग्राम प्लांट से 11 खाली ट्रॉली लेकर चला था, लेकिन उसके प्लांट पर 5 ट्रालियां ही पहुंची थी। उसे इस बात की जानकारी मिली कि वेदपाल खाली ट्रालियों को पहले भी रास्ते में बेचने का काम कर चुका है।

लोगों की सजगता से ही सुरक्षात्मक चक्र को मजबूत किया जा सकता: डीसी

आसमान से संदिग्ध वस्तु या कोई उपकरण गिरता दिखाई दे तो प्रशासन को करें सूचित

- डीसी ने बताया कि नागरिकों की जागरूकता के लिए जिले के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। जिलाधिकारियों की बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर आपदा की स्थिति में कोई भी व्यक्ति भारत सरकार के नियमों की अनदेखी न करें। कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु अथवा आसमान से कोई अन्य उपकरण गिरते हुए दिखता है तो उसके पास न जाकर, प्रशासन को इस बारे तुरंत सूचित करें। नागरिकों की सजगता किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोक सकती है। डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा ने शनिवार को लघु सचिवालय सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की।

डीसी मीणा ने कहा कि इन दिनों भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव के बीच लोगों की सजगता से ही सुरक्षात्मक चक्र को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से कोई सामाजिक व सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने की कोई कोशिश न करें और सभी मिलकर भाईचारा कायम रखते हुए सौहार्दपूर्ण शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि इन दिनों तनाव की स्थिति में यदि किसी भी क्षेत्र में कोई आसमान से उपकरण गिरते हुए अथवा कोई संदिग्ध वस्तु दिखाई देती है तो उसके पास बिल्कुल भी न जाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्थिति पर सतत निगरानी रखे हुए है और आमजन से सहयोग की अपेक्षा है। बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों से आपातकालीन स्थिति से निपटने व जिला प्रशासन की तैयारियों की जानकारी ली। डीसी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में एम्बुलेंस व्यवस्था के साथ-साथ दवाईयों व बैड की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि आईएमए के डॉक्टरों के साथ भी तालमेल बनाकर रखे तथा उन्हें जरूरत के समय सेवाओं देने के लिए तैयार रखे। साथ ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का समायोजन पूरे जिले में क्षेत्र अनुसार रखने के आदेश दिए। उन्होंने अधिकारियों को एनडीआरएफ, एनएसजी तथा एसडीआरएफ के अधिकारियों के साथ भी संपर्क में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के सभी उपकरण सही व एक्टिव रखें। उन्होंने पुलिस के साथ-साथ होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र व रेडक्रॉस वालेंटियर की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि नागरिकों की जागरूकता के लिए जिले के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का ध्यान रखने की अपील

डीसी अभिषेक मीणा ने जिलावासियों से किसी भी आपातकालीन स्थिति या जरूरत के समय बजने वाले सायरन या ब्लैक आउट के दौरान हिदायतों की पालना करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिलावासी अफवाहों पर ध्यान न दें और स्वयं भी सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से किसी प्रकार की भ्रामक बातें न फैलाएं। यह राष्ट्र की सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि यदि कोई राष्ट्रीय सुरक्षा नियमों की अनदेखी करता है तो उक्त व्यक्ति पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत निर्धारित नियमों अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वे राष्ट्र की सुरक्षा में अपना सहयोग दें। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में पीने के पानी के सभी प्रमुख चैनल्स जैसे नहर व जलाशय पर विशेष निगरानी रखने के भी आदेश दिए। डीसी ने कहा कि प्रशासन जनता के हित में सभी आवश्यक कदम उठा रहा है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर एडीसी अनुपमा अंजलि, डीएमसी राहुल मोदी, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, एसडीएम बावल उदय सिंह, एसडीएम कोसली विजय कुमार, सीटीएम प्रीति रावत व डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, विवि स्टाफ व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

युवाओं से नवाचार और डिजिटल परिवर्तन को अपनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- रैफल्स यूनिवर्सिटी में संगोष्ठी आयोजित

रैफल्स विश्वविद्यालय नीमराना के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी विभाग की ओर से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर शनिवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय एआईः मानवता का सबसे बड़ा बदलाव और विभिन्न क्षेत्रों की चुनौतियों को हल करने में इसकी भूमिका था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता किन्नर सच्चदेव को-फाउंडर एवं सीईओ नॉरिश थे, जोकि एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त नवोन्मेषक और उद्यमी हैं। इस मौके पर सच्चदेव ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमता, शिक्षा, व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवाओं और शासन जैसे क्षेत्रों को बदल रही है। उन्होंने अपनी एआई-सक्षम कंपनी के माध्यम से 50 से अधिक देशों के 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाने की यात्रा पर प्रकाश डाला और युवाओं से नवाचार और डिजीटल परिवर्तन को अपनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी की शुरूआत कुलपति प्रो. राजेंद्र सिंह सांगवान, आईक्यूएसी निदेशक डा. जीएम पाटिल, प्रबंध निदेशक युक्ति कालरा तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्रों की उपस्थिति में हुई। रैफल्स परिवार की ओर से मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को भारत की हालिया तकनीकी उपलब्धियों जैसे चंद्रयान-3 मिशन, आदित्य-एल1 सौर वेधशाला, स्पैडेक्स उपग्रह डॉकिंग, यूपीआई का वैश्विक विस्तार, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, सेमीकंडक्टर मिशन और एआई टूल्स जैसे प्रयासों की याद दिलाई गई, जो भारत को एक वैश्विक तकनीकी शक्ति में बदल रहे हैं। डा. जसप्रीत हीरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रैफल्स विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

राज स्कूल में मदर्स-डे पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

- माताओं ने रैंप वाक, सोलो डांस व सोलो सिंगिंग में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद स्कूल स्टाफ व अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

राज इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा प्री नर्सरी और नर्सरी के बच्चों की ओर से मदर्स-डे के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का आगाज जनरल सेक्रेटरी जयश्री सैनी व अभिभावकों ने किया। मंच संचालन शिक्षिका मीनू और पूजा ने किया। शिक्षिका मीनू ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया। बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सभी मदर्स के लिए भी प्रतियोगिताएं रखी गई। माताओं ने रैंप वाक, सोलो डांस व सोलो सिंगिंग में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर चेयरमैन राजेन्द्र सैनी ने कहा कि मां के कर्ज को चुकाना आसान नहीं है। जिंदगी में मां की दुआओं से ही हर मुश्किल आसान होती है। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी, प्राचार्य कुलदीप जांगिड़ व उपप्रधानाचार्य निधि सैनी सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

महिला से मारपीट में जेठ पर केस दर्ज

डहीना। गोठड़ा टप्पा डहीना में एक महिला के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उसके जेठ के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। अस्पताल में उपचाराधीन सीमा देवी ने पुलिस बयान में बताया कि उसका जेठ महेश उसकी सास मूर्ति देवी के साथ झगड़ा कर रहा था। उसने अपने जेठ को ऐसा नहीं करने के लिए समझाने की कौशिश की। सीमा का आरोप है कि उसका जेठ आवेश में आकर उसे मारने के लिए दौड़ा। वह बचाव करने के लिए घर से बाहर भागने लगी। इसी दौरान उसके जेठ ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उसके साथ मारपीट की। उसकी सास ने बचाव कराते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया।

सीए महेश गोयल बने राष्ट्रीय व्यापार संघ के संगठन महामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। महेश गोयल का स्वागत करते संघ के पदाधिकारी।

राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के मुख्य संरक्षक लोकसभा सांसद व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में दिल्ली सफदरजंग में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह गुप्ता ने सीए महेश गोयल को राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री नियुक्त किया है। गोयल ने अपनी नियुक्ति पर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मदन लाल गोयल का आभार व्यक्त किया। इय नियुक्ति पर पेरिस इंटरनेशनल ओलंपिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज, भारतीय शतरंज महासंघ, नगर व्यापार मंडल, वैश्य एजुकेशन सोसायटी, बार एसोसिएशन, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व हरियाणा शतरंज एसोसिएशन सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं ने महेश गोयल को बधाई दी। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राकेश गुप्ता व अंकित लोहिया सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे। नवनियुक्त राष्ट्रीय संगठन महामंत्री गोयल ने कहा कि सभी ट्रेड एसोसिएशन को एक छत के नीचे लाना ही राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ का उद्देश्य है। राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ सभी ट्रेड एसोसिएशनों की समस्याओं को केंद्र व प्रदेश सरकार तक पहुंचाने का काम करेगा।

चोरी का ट्रैक्टर खरीदने का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। चोरी का ट्रैक्टर खरीदने का आरोपी हामिद पुलिस गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

बीकानेर गांव से चार साल पहले ट्रैक्टर चोरी करने के मामले में ट्रॉली खरीदने के आरोपी को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया गया। घासेडा निवासी महाबीर ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि दिनांक 18 मार्च 2021 को शाम के समय उसने अपना ट्रैक्टर गांव बीकानेर के अपने टाइल प्लांट में खड़ा किया था।

रात के समय उसका ट्रैक्टर चोरी हो गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद पांच आरोपियों प्रदीप, आसम, जमालु, राहुल खान व सुखजीवन को गिरफ्तार लिया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया का चोरी किया गया ट्रैक्टर उन्होंने राजस्थान के जिला डिंग के गांव काबान का बास निवासी हामिद को बेचा था। पुलिस ने आरोपी हामिद के घर से चोरी किए ट्रैक्टर बरामद कर लिया था, लेकिन वह फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने हामिद को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया।

बच्चों ने मदर्स-डे के उपलक्ष्य में दी कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक, अभिभावक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

सैनी पब्लिक स्कूल में मदर्स-डे के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने फैशन रैंप-वॉक व सोलो डांस की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया।

बच्चों की माताओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अनेक गतिविधियों की प्रस्तुति दी। बच्चों ने एंटरप्रेन्योरशिप के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल्स लगाए, जिसमें विद्यार्थियों और अभिभावकों ने व्यंजनों का लुफ्त उठाया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान नवीन सैनी, सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी, महासचिव मनोज सैनी, खजांची लक्ष्मीनारायण सैनी, ओमप्रकाश सैनी व रविकांत सैनी उपस्थित थे। प्रधान नवीन सैनी ने बच्चों को जीवन में मां के महत्व को बताते हुए मदर्स-डे की बधाई दी। स्कूल की प्राचार्या अनीता यादव ने बच्चों को मां के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

रेवाड़ी। रेवाड़ी मंडल के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाजपा रेवाड़ी मंडल की कार्यकारिणी का हुआ गठन

रेवाड़ी। जिला भाजपा कार्यालय में शनिवार को रेवाडी मंडल की कार्यकारिणी का गठन किया गया। रेवाड़ी मंडल अध्यक्ष समीर कालरा ने जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली एवं शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श करके कार्यकारिणी की घोषणा की। इस मौके पर नानक चंद गुप्ता, मनोज यादव, जयमाला कौशिक व प्रोमिला भार्गव को मंडल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा मुकेश सरवन व राजीव आहूजा को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। रोशन लाल, शंभू दयाल सैनी, आशा मखीजा व प्रविन्दर किरार को मंत्री तथा जगमोहन कोषाध्यक्ष, संदीप कुमार को सह कोषाध्यक्ष व राजेंद्र सिंह को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। रेवाड़ी मंडल अध्यक्ष कालरा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इस मौके पर अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

लापरवाही से बच्चे की मौत मामले में आरोपी ठेकेदार गिरफ्तार

रेवाड़ी। गत 11 मार्च को बीएमजी सोसायटी में सीवर में गिरकर हुई बच्चे की मौत के मामले में पुलिस ने लापरवाही के आरोप में ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया। यूपी के जोलीगढ़ का रहने वाला उष्मान बीएमजी सोसायटी में किराए के मकान में रह रहा हे। 11 मार्च को उसका बेटा सवा 3 वर्षीय अदनान अन्य बच्चों के साथ खेलते हुए सीवर के मैनहोल में गिर गया था। सोसायटी के लोगों ने बच्चे को सीवर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर सीवर खुले छोड़ने के आरोप में ठेकेदार गुरूग्राम के नूरपुर निवासी मयंक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया था।

अभियान बीएमजी मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर चला ऑपरेशन

पुलिस ने डॉग स्क्वॉयड व कमांडो टीम के साथ चलाया सर्च ऑपरेशन, सुरक्षा के मानकों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन पर जांच करते हुए पुलिस टीम तथा बीएमजी मॉल में सर्च अभियान चलाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला पुलिस की ओर से शहर के बीएमजी मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कमांडो टीम व डॉग स्क्वॉयड के साथ सुरक्षा जांच अभियान चलाया। पुलिस ने सभी स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।

अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करना था। अभियान के डाग स्क्वॉयड की मदद से बीएमजी मॉल, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन परिसर में सभी स्थानों पर तलाशी ली गई। ट्रेनों व बसों में यात्रियों के सामान की जांच भी की गई। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि जिला पुलिस की ओर से सुरक्षा को लेकर, अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को काबू करने, संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की रोकथाम के लिए सर्च अभियान चलाया गया। उन्होंने ने जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि आसपास कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत संबंधित थाना या डायल 112 पर सूचना दें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

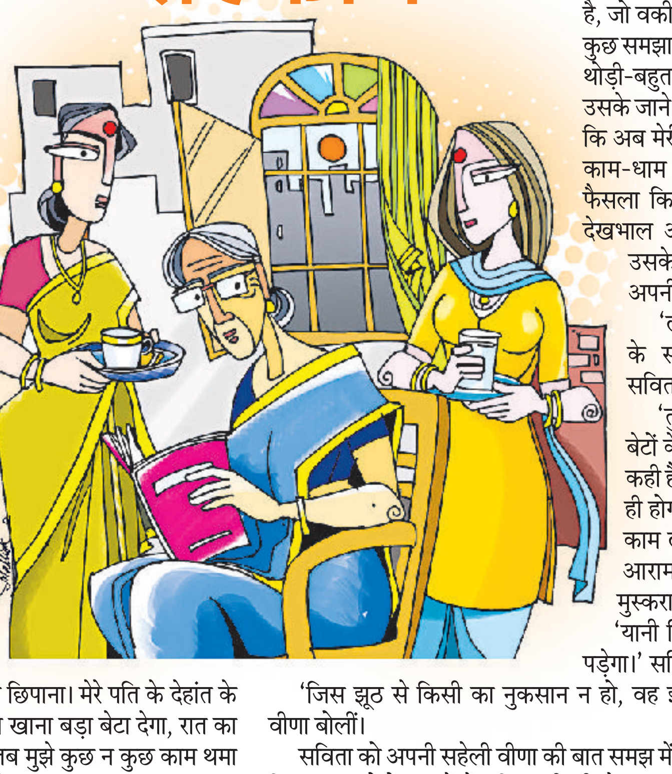

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर केनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल
नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजन: माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभव: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसास: यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलक: राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपरओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षण: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजा: राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानी: माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
विवेक कुमार

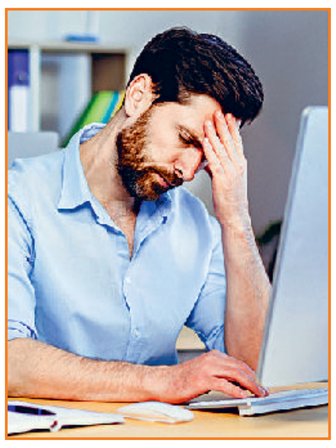

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है
वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैं: ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैं: वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैं: कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्त: लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसले: लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाज: किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैं: जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर
शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख: ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसित: हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गम: सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रम: भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारी: डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया
फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

अचला सचदेव

दीना पाठक

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडिया: जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा राय: निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतन: अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागू: नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया।

रीमा लागू

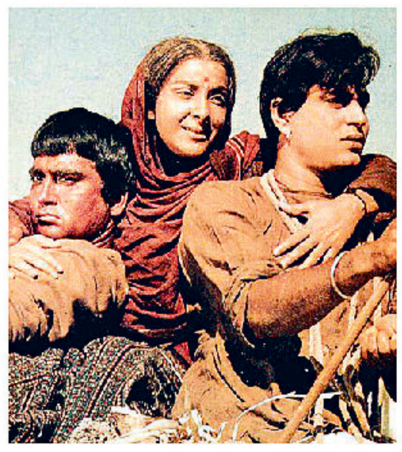

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

हजार चौरासी की मां जया बच्चन: जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

जया बच्चन

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *